Roll No. : .... Total Pages : 7

3382-P

B.A. IIIrd Year (Private) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper – II

(गद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड-अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड-ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

(इकाई–I)

1. (i) पाठ्यपुस्तक में आए 'बालकृष्ण भट्ट' के निबंध का नाम बताइए।

(ii) ''प्रेम की भाषा शब्दरहित है। नेत्रों की, कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्दरहित है।'' उक्त पंक्ति किस निबंध से उद्धृत है?

(इकाई–II)

(iii) महावीर प्रसाद द्विवेदी के अनुसार भारतवर्ष के चिरकाल का इतिहास कौन-से ग्रंथ हैं?

(iv) 'साहित्य का उद्देश्य प्रगतिशीलता' निबंध के निबंधकार कौन हैं?

(इकाई–III)

(v) ''हाँ, वह भी मनु की तरह इस प्रलय-प्रवाह को देख रहा है। पता नहीं, बचेगा कि नहीं! वह आधा तो डूब ही गया है।'' इस पंक्ति में 'वह' किसके लिए आया है?

(vi) यश के भाइयों के क्या नाम थे?

(इकाई–IV)

(vii) 'नींद की घाटियाँ' एकांकी के रचनाकार का नाम बताइए।

(viii) 'इतनी सी बात' एकांकी में एकांकीकार ने किस समस्या को उठाया है?

(इकाई–V)

(ix) हिंदी का पहला उपन्यास किसे माना गया है?

(x) निराला जी के कोई **दो** उपन्यासों के **नाम** बताइए।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघंटु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्यताचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सबके सब सभ्यताचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।''

अथवा

3. ''साहित्य के अनुशीलन से कौम के सब समय-समय के आभ्यन्तरिक भाव हमें परिस्फुट हो सकते हैं।'' उक्त पंक्ति के आधार पर 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबंध की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–II)

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"यह समझने का कोई कारण नहीं दिखायी देता कि केवल अपनी दीनता से इष्टदेव को प्रभावित करने के लिए उन्होंने यह लिख दिया है। इसी तरह "लालची ललात बिललात द्वार-द्वार दीन, बदन मलीन मन मिटै न बिसूरना" आदि में अत्युक्ति हो सकती है लेकिन तुलसी ने, निर्धन और अकुलीन बालक को जो अपमान सहना पड़ता है, उसे स्वयं सहा था इसमें संदेह नहीं और यह अपमान बालकपन तक सीमित न था। जैसे-जैसे उनकी लोकप्रियता बढ़ती गयी, वैसे-वैसे उनका विरोध भी बढ़ा। जब लोग उनकी जाति-पांति की चर्चा करके उनका उपहास करते थे, तब तुलसीदास यही कहकर जवाब देते थे कि जो गोत्र राम का है, वही गोत्र उनके सेवक का है।"

अथवा

5. "तुलसी की भक्ति मानववाद में डूबी हुई है। यह कवि मनुष्य का सबसे बड़ा उपासक है।" कथन के आधार पर 'तुलसी-साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य' पाठ की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–III)

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"अरे भाई, हज़ारों, लाखों और करोड़ों पर हाथ साफ करो तो

ईमान-धरम को जो भी कुछ गौरव अनुभव होता है बल्कि वही ईमान-धरम बन जाता है। देश में, दुनिया में बड़े लोगों का यही ईमान-धरम बन गया है। ठीक कहते हैं चोपड़ा साहब अकेले नहीं हैं। नेता उनके साथ हैं, पुलिस उनके साथ है, न्याय उनके साथ है, सामाजिक इज्जत उनके साथ है, फिर ईमान-धर्म को ही कौन से सुरखाब के पर लगे हैं कि वह उनके साथ न हो!''

अथवा

7. 'बदरी भैया' की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(इकाई–IV)

8. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''तुमने स्वयं शादी से पहले कहा था कि मैं ऐसी पत्नी नहीं चाहता जो हर वक्त मेरे मुँह की ओर देखती रहे, मुझे सहधर्मिणी चाहिए, संगिनी चाहिए, सहचरी चाहिए, मन्त्रिणी चाहिए। क्या अपनी सहधर्मिणी, संगिनी, सहचरी और मन्त्रिणी से तुम यह चाहोगे कि तुम उससे एक गलत बात कहो और वह तुम्हारी खुशी के लिए उसे पूरा कर दे ?

अथवा

9. भारतभूषण अग्रवाल के एकांकी 'नींद की घाटियाँ' का प्रतिपाद्य समझाइए।

(इकाई–V)

10. हिंदी एकांकी की विकास यात्रा पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

अथवा

11. ऐतिहासिक उपन्यास एवं उपन्यासकारों पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड-स

(इकाई–I)

12. "रामायण और महाभारत को केवल महाकाव्य न कहना चाहिए। ये इतिहास भी हैं।" उक्त कथन के आधार पर 'रामायण' पाठ में आए लेखक के मन्तव्य को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–II)

13. बिम्ब एक प्रकार का चित्र है जो किसी पदार्थ के साथ विभिन्न इंद्रियों के सन्निकर्ष से प्रमाता के चित्त में उद्बुद्ध हो जाता है।" उक्त कथन के आलोक में 'काव्य-बिम्ब : स्वरूप और प्रकार' निबंध की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–III)

14. 'आकाश की छत' असंगतियों और अंतर्विरोधों के उद्घाटन के लिए एक प्रस्थान बिन्दु के रूप में रचित है।" उक्त कथन के परिप्रेक्ष्य में इस उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(इकाई–IV)

15. 'इतनी सी बात' एकांकी में आए पात्र 'पंडित हृदयनाथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(इकाई–V)

16. आंचलिक उपन्यास परंपरा पर एक सारगर्भित टिप्पणी लिखिए।